भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1998
गुरुवार, 04 अगस्त, 2016 को उत्तर दिए जाने के लिए

किसानों के लिए कृषि मौसम विज्ञान संबंधी सलाहकार सेवा

1998. डा॰ के॰ वी॰ पी॰ रामचन्द्र रावः

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि देश के अधिकांश किसान सरकार द्वारा दी जा रही कृषि मौसम विज्ञान संबंधी सलाहकार सेवाओं (एएएस) से अवगत नहीं हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ये सेवाएं मुफ्त दी जाती हैं;

(ग) क्या ये सलाहकार सेवाएं फसल विशेष के बारे में होती हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विगत दो वर्षों के दौरान राज्य-वार कितने किसानों ने इन सेवाओं का उपयोग किया है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री
(श्री वाई. एस. चौधरी)

(क) जी नहीं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) शॉर्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस) तथा इंटरेक्टिव वॉइस रिस्पाँस सर्विस (आईवीआरएस) सहित भिन्न-भिन्न प्रिन्ट/विजुअल/रेडियो/सूचना प्रौद्योगिकी आधारित संचार प्रणालियों के माध्यम से किसानों को खेत स्तर के समुचित कार्यों में सहूलियत देने हेतु फसल विशिष्ट परामर्शिकाएं प्रदान करने में सफल रही है। तथापि, जीकेएमएस योजना के अन्तर्गत प्रतिभागिता का विस्तार करने तथा सभी किसानों तक पहुँच बनाने के प्रयास निरन्तर रूप से किए जा रहे हैं।

(ख) जी हाँ।

(ग) राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संस्थानों, आईआईटी इत्यादि के सहयोग से आईएमडी की जीकेएमएस के अन्तर्गत फसल विशिष्ट परामर्शिकाएं कृषि क्षेत्र निगरानी इकाई (एएफएमयू) के जरिये सप्ताह में दो बार प्रदान की जाती हैं। ये परामर्शिकाएं निम्नलिखित के संबंध में अगले 5-दिनों के जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान के आधार पर तैयार की जाती हैं:

- वर्षा
- अधिकतम तापमान, नयूनतम तापमान
- पवन गति, पवन दिशा
- सापेक्ष आर्द्रता तथा बादल/आच्छादन
- साप्ताहिक संचयी वर्षा पूर्वानुमान

कृषि मंत्रालय द्वारा लाँच किए गए किसान पोर्टल के जरिये तथा साथ ही सार्वजनिक निजी साझेदारी के अन्तर्गत, मौसम पूर्वानुमान आधारित एग्रो मौसम वैज्ञानिक परामर्शिकाएं क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारित की जाती हैं। वर्तमान में, एसएमएस तथा आईवीआरएस के जरिये देश के 19.1 मिलियन किसानों को जीकेएमएस उत्पाद प्रसारित किए जाते हैं।

(घ) जुलाई 2015 तथा जुलाई 2016 के दौरान इन सेवाओं का उपयोग कर रहे किसानों की संख्या (राज्य-वार) का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

अनुलग्नक-I

जुलाई 2015 और जुलाई 2016 के दौरान एसएमएस के जरिये एग्रोमेट परामर्शिकाएं प्राप्त कर रहे किसानों की राज्य-वार संख्या।

राज्य का नाम	किसान पोर्टल के जरिये एसएमएस प्राप्त कर रहे किसानों की संख्या-जुलाई 2015	किसान पोर्टल के जरिये एसएमएस प्राप्त कर रहे किसानों की संख्या-जुलाई 2016
आन्ध्र प्रदेश	109200	143091
असम	33475	24240
बिहार	453330	676325
गुजरात	214660	154747
हरियाणा	265339	339253
हिमाचल प्रदेश	15556	541634
जम्मू और कश्मीर	19376	4817
कर्नाटक	151244	218808
केरल	468190	373240
मध्य प्रदेश	519936	232328
महाराष्ट्र	2088203	4928562
मणिपुर	797	184
मेघालय	923	987
मिजोरम	0	1831
नागालैंड	1965	2539
ओडीशा	113133	156168
पंजाब	123530	136526
राजस्थान	185625	221473
तमिलनाडु	754498	709317
त्रिपुरा	3723	4389
उत्तर प्रदेश	1287475	852112
उत्तराखण्ड	75456	80587
पश्चिम बंगाल	123611	389440
छत्तीसगढ़	1292293	1366443
झारखण्ड	535812	748535
अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह	1234	2056
अरुणाचल प्रदेश	308	450
दिल्ली	3725	1926
पुदुच्चेरी	3167	23538
तेलंगाना	78270	82294
सिक्किम	2	
योग	8924056	12417840
एएमएफयू द्वारा एनआईसी, वे 2 एसएमएस इत्यादि के जरिये भेजे गए एसएमएस	130198	129961
रिलायंस फाउंडेशन	17000	2639919
पीपीपी मोड के अंतर्गत निजी कम्पनियों द्वारा एसएमएस	2407853	3912280
कुल योग	11.5 मिलियन	19.1 मिलियन